



नेपाल राजपत्र

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

खण्ड ४०) काठमाडौं, पुस १६ गते २०४७ साल (अतिरिक्ताङ्क ४६ (घ))

भाग ३

निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोगको सूचना

नेपाल अधिराज्यको संविधान, २०४७ को धारा १०५ को उपधारा (२) तथा निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोग ऐन, २०४७ को दफा ३ को उपदफा (२) बमोजिम यस आयोगले प्रत्येक जिल्लाबाट प्रतिनिधित्व हुने प्रतिनिधि सभाको सदस्य संख्या देहायबमोजिम निर्धारण गरेको छ ।

एक सदस्य हुने जिल्लाहरू

- | | | | | |
|----------------|------------|-----------|--------------|-------------|
| १. मनाङ | २. मुस्ताङ | ३. हुम्ला | ४. डोल्पा | ५. रसुवा |
| ६. मुगु | ७. जुम्ला | ८. बाजुरा | ९. डडेल्धुरा | १०. कालिकोट |
| ११. सोलुखुम्बु | | | | |

दुई सदस्य हुने जिल्लाहरू

- | | | | | |
|---------------|----------------|--------------|-------------|--------------|
| १. दार्चुला | २. तेह्रथुम | ३. म्याग्दी | ४. जाजरकोट | ५. ताप्लेजुङ |
| ६. बझाङ | ७. पर्वत | ८. संखुवासभा | ९. धनकुटा | १०. रूकुम |
| ११. ओखलढुङ्गा | १२. दोलखा | १३. सल्यान | १४. लमजुङ | १५. डोटी |
| १६. पाँचथर | १७. अर्घाखाँची | १८. प्यूठान | १९. भक्तपुर | २०. उदयपुर |
| २१. रामेछाप | २२. सुर्खेत | २३. दैलेख | २४. रोल्पा | २५. कञ्चनपुर |
| २६. इलाम | | | | |

आधिकारिकता सूचना विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

खण्ड ४० अतिरिक्ताङ्क ४६ (घ) नेपाल राजपत्र भाग ३ मिति २०४७।१६।१६

तीन सदस्य हुने जिल्लाहरू

१. बैतडी २. सिन्धुली ३. ललितपुर ४. अछाम ५. भोजपुर
६. बर्दिया ७. नुवाकोट ८. बाँके ९. खोटाङ १०. पाल्पा
११. बाग्लुङ १२. कास्की १३. तनहुँ १४. गोरखा १५. सिन्धुपाल्चोक
१६. गुल्मी १७. धादिङ १८. मकवानपुर १९. कैलाली २०. चितवन
२१. दाङ ।

चार सदस्य हुने जिल्लाहरू

१. कपिलवस्तु २. स्याङ्जा ३. पर्सा ४. काभ्रेपलाञ्चोक ५. नवलपरासी
६. बारा ७. रौतहट ८. सुनसरी ।

पाँच सदस्य हुने जिल्लाहरू

१. महोत्तरी २. सिराहा ३. सप्तरी ४. रुपन्देही ५. सर्लाही
६. काठमाडौँ ७. धनुषा

छ सदस्य हुने जिल्लाहरू

१. झापा २. मोरङ

आज्ञाले,

योगेन्द्रनाथ श्रीवा

निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण आयोगको सचिव

मुद्रण तथा प्रकाशन विभाग, सिंहदरबार, काठमाडौँमा मुद्रित ।

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।